

भारत का संविधान



सत्यमेव जयते

भारत का संविधान



सत्यमेव जयते

भारत का संविधान



प्रस्तावना



भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण

प्रभुत्व-सम्पन्न लोकतन्त्रात्मक गणराज्य

के लिये तथा उस के समस्त नागरिकों को :

सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक न्याय,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म

और उपासना की स्वतन्त्रता,

प्रतिष्ठा और अवसर की समता

प्राप्त कराने के लिये,

तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की

एकता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता

बढ़ाने के लिये

दृढ संकल्प हो कर अपनी इस संविधान सभा में

आज तारीख २६ नवम्बर १९४९ ई० (मिति मार्गशीर्ष

शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छ विक्रमी) को

एतद्वारा इस संविधान को अङ्गीकृत अधि-

नियमित और आत्मार्पित करते हैं ।

भारत के संविधान
की मूल सुलिखित प्रतिलिपि
(हिन्दी संस्करण)

संक्षिप्त इतिहास

भारत के मूल संविधान का सुलेख (हिन्दी संस्करण) नासिक के श्री वसन्त कृष्ण वैद्य (गवर्नमेंट कामर्स प्रेस के एक कर्मचारी) द्वारा भारत के मुद्रण एवं लेखन सामग्री नियंत्रक द्वारा सप्लाई किए गए 16½"×20½" 36 पॉइंट इम्प., के हस्तनिर्मित मिलबोर्न लोन कागज के 500 पन्नों पर तैयार किया गया था। श्री वैद्य ने सुलेख तैयार करने का यह काम अप्रैल 1954 में पूरा किया था।

2. सुलिखित कागज को शांतिनिकेतन के सुप्रसिद्ध चित्रकार, श्री नन्द लाल बोस ने सुलचिपूर्ण तरीके से सजाया और अलंकृत किया। उन्होंने अपना यह कार्य चार वर्ष की अवधि में पूरा किया। इसके लिए मोहंजोदड़ो और वैदिक काल से आरंभ होकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम तक के निदर्श-चित्र भारतीय इतिहास से लिए गए। सजावट का कार्य भारत के प्रथम प्रधान मंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू के सुझावों के अनुसार निष्पादित करते हुए किनारों पर नक्काशी असली सोने के स्प्रे (छिड़काव) द्वारा किया गया और सुलेख हेतु कागज के मध्य में 8"×13" के सम्पूर्ण स्थान को आयताकार रूप में सज्जित किया गया। श्री बोस ने इस प्रतिष्ठित दस्तावेज के 221 पन्नों में कला और इतिहास का एक साथ अनोखा सम्मिश्रण करने का कठिन कार्य पूरा किया। हिन्दी संस्करण में चित्रण-कार्य की अनुकृति सर्वश्री अरुण कुमार दास, चितरंजन पकड़शी, शीतांशु कुमार राय और रामेश्वर सारन श्रीवास्तव द्वारा की गई। संसदीय सचिवालय (वर्तमान लोक सभा सचिवालय का पूर्ववर्ती) ने 26 जनवरी 1950 को यह परियोजना संविधान सभा से अपने हाथ में ली और तब से इस अति-महत्वपूर्ण दस्तावेज को भावी पीढ़ियों के लिए राष्ट्रीय उपलब्धि के प्रतीक के रूप में संरक्षित और संचित कर रखा है।

3. लोक सभा सचिवालय ने वर्ष 1999 में भारत के संविधान की मूल सुलिखित प्रतिलिपि से 1200 ऑफसेट मुद्रित प्रतिलिपियां तैयार की हैं।

4. भारत के संविधान की मूल सुलिखित प्रतिलिपि को वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षित रखने हेतु नाइट्रोजन से भरे एक पात्र में सावधानीपूर्वक रखा गया है।

5. केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों, मंत्रालयों/विभागों और अन्य शोध संस्थाओं एवं संगठनों की चिरकालिक मांग को पूरा करने हेतु इस ऐतिहासिक दस्तावेज की 1200 प्रतिलिपियां तैयार करने के लिए श्री सुधीर कुमार जैन, मैसर्स जैनको आर्ट ईंडिया, नई दिल्ली धन्यवाद के पात्र हैं।

भारत के संविधान
की मूल सुलिखित प्रतिलिपि
(हिन्दी संस्करण)

संक्षिप्त इतिहास

भारत के मूल संविधान का सुलेख (हिन्दी संस्करण) नासिक के श्री वसन्त कृष्ण वैद्य (गवर्नमेंट कामर्स प्रेस के एक कर्मचारी) द्वारा भारत के मुद्रण एवं लेखन सामग्री नियंत्रक द्वारा सप्लाई किए गए $16\frac{1}{2}'' \times 20\frac{1}{2}''$ 36 पौंड इम्प., के हस्तनिर्मित मिलबोर्न लोन कागज के 500 पन्नों पर तैयार किया गया था। श्री वैद्य ने सुलेख तैयार करने का यह काम अप्रैल 1954 में पूरा किया था।

2. सुलिखित कागज को शांतिनिकेतन के सुप्रसिद्ध चित्रकार, श्री नन्द लाल बोस ने सुरुचिपूर्ण तरीके से सजाया और अलंकृत किया। उन्होंने अपना यह कार्य चार वर्ष की अवधि में पूरा किया। इसके लिए मोहेंजोदड़ो और वैदिक काल से आरंभ होकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम तक के निदर्श-चित्र भारतीय इतिहास से लिए गए। सजावट का कार्य भारत के प्रथम प्रधान मंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू के सुझावों के अनुसार निष्पादित करते हुए किनारों पर नक्काशी असली सोने के स्प्रे (छिड़काव) द्वारा किया गया और सुलेख हेतु कागज के मध्य में $8'' \times 13''$ के सम्पूर्ण स्थान को आयताकार रूप में सज्जित किया गया। श्री बोस ने इस प्रतिष्ठित दस्तावेज के 221 पन्नों में कला और इतिहास का एक साथ अनोखा सम्मिश्रण करने का कठिन कार्य पूरा किया। हिन्दी संस्करण में चित्रण-कार्य की अनुकृति सर्वश्री अरुण कुमार दास, चित्तरंजन पकड़शी, शीतांशु कुमार राय और रमेश्वर भट्ट श्रीवास्तव द्वारा की गई। संसदीय सचिवालय (वर्तमान लोक सभा सचिवालय का पूर्ववर्ती) ने 26 जनवरी 1950 को यह परियोजना संविधान सभा से अपने हाथ में ली और तब से इस अति-महत्वपूर्ण दस्तावेज को भावी पीढ़ियों के लिए राष्ट्रीय उपलब्धि के प्रतीक के रूप में संरक्षित और संचित कर रखा है।

3. लोक सभा सचिवालय ने वर्ष 1999 में भारत के संविधान की मूल सुलिखित प्रतिलिपि से 1200 ऑफसेट मुद्रित प्रतिलिपियां तैयार की हैं।

4. भारत के संविधान की मूल सुलिखित प्रतिलिपि को वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षित रखने हेतु नाइट्रोजन से भरे एक पात्र में सावधानीपूर्वक रखा गया है।

5. केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों, मंत्रालयों/विभागों और अन्य शोध संस्थाओं एवं संगठनों की चिरकालिक मांग को पूरा करने हेतु इस ऐतिहासिक दस्तावेज की 1200 प्रतिलिपियां तैयार करने के लिए श्री सुधीर कुमार जैन, मैसर्स जैनको आर्ट इंडिया, नई दिल्ली धन्यवाद के पात्र हैं।



भाग ६

प्रथम अनुसूची के भाग (क) में के राज्य

अध्याय १.- साधारण

परिभाषा.

१५२. यदि प्रसंग से दूसरा अर्थ अपेक्षित न हो तो इस भाग में राज्य पद का अर्थ प्रथम अनुसूची के भाग (क) में उल्लिखित राज्य है।

अध्याय २ - कार्यपालिका

राज्यपाल

राज्यों के
राज्यपाल.

१५३. प्रत्येक राज्य के लिये एक राज्यपाल होगा।

राज्य की
कार्यपालिका
का स्ति.

१५४. (१) राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी तथा वह इस का प्रयोग इस संविधान के अनुसार या तो स्वयं अथवा अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों के द्वारा करेगा।

(२) इस अनुच्छेद की किसी बात से -

(क) जो कृत्य किसी वर्तमान विधि में किसी अन्य प्राधिकारी को दिये हैं वे कृत्य राज्य-पाल को हस्तान्तरित किये हुये न समझे जायेंगे
अथवा

(ख) राज्यपाल के अधीनस्थ किसी प्राधिकारी को विधि द्वारा कृत्य देने में संसद अथवा राज्य के विधान-मंडल को बाधा न होगी।

राज्यपाल की
नियुक्ति

१५५. राज्य के राज्यपाल का राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करेगा।

राज्यपाल की पदावधि.

१५६. (१) राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त राज्यपाल पद धारण करेगा।

निदर्श-चित्रों की सूची

1. मोहेंजोदड़ो काल	मोहेंजोदड़ो काल की मुहर	1
2. वैदिक काल	वैदिक आश्रम (गुरुकुल) का दृश्य	3
3. महाकाव्य काल	रामायण का दृश्य (राम की लंका पर विजय और सीता का उद्धार)	6
4. -वही-	महाभारत का दृश्य (भगवद्गीता कथन)	18
5. महाजनपद और नंदकाल	बुद्ध के जीवन की एक झांकी	21
6. -वही-	महावीर के जीवन की एक झांकी	68
7. मौर्य काल	सम्राट अशोक द्वारा भारत और विदेशों में बौद्ध धर्म के प्रसार को चित्रित करता एक दृश्य	107
8. गुप्त काल	गुप्त काल की कला का एक चित्र। विभिन्न चरणों में इसका विकास	111
9. -वही-	विक्रमादित्य के राजदरबार का एक दृश्य	114
10. -वही-	प्राचीन विश्वविद्यालय (नालंदा) का दृश्य	115
11. मध्य काल	उड़ीसा की मूर्तिकला	116
12. -वही-	नटराज	124
13. -वही-	महाबलिपुरम मूर्तिकला का दृश्य (भागीरथ का तप और गंगा का अवतरण)	144
14. मुगल काल	अकबर का चित्र और पृष्ठभूमि में मुगल वास्तुकला	147
15. -वही-	शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह के चित्र	158
16. ब्रिटिश काल	टीपू सुल्तान और लक्ष्मीबाई के चित्र (ब्रिटिश राज्य के खिलाफ विद्रोह)	161
17. भारत का स्वतंत्रता संग्राम	राष्ट्रपिता का चित्र (गांधीजी का दांडी मार्च)	167
18. -वही-	शांति के दूत बापूजी का नोआखली के दंगाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा	172
19. स्वतंत्रता-प्राप्ति के लिए क्रांतिकारी आंदोलन	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और अन्य देशभक्त भारत से बाहर रहकर भारत माता को स्वतंत्र करने का प्रयास करते हुए	179
20. प्राकृतिक विशिष्टताएं	हिमालय का दृश्य	188
21. -वही-	रेगिस्तान का दृश्य	189
22. -वही-	महासागर का दृश्य	204

{अनुच्छेद ३४४ (१) और ३५१}
भाषाएं

१. असमिया
२. उड़िया
३. उर्दू
४. कन्नड
५. कश्मीरी
६. गुजराती
७. तमिल
८. तेलुगु
९. पंजाबी
१०. बंगाला
११. मराठी
१२. मलयालम
१३. संस्कृत
१४. हिन्दी

१। जेठे प्रमाणे
नवाहेल जाले नही

पृ॥ ३ रीता राम २५

न. गोपालस्वामि

C. P. Ramaraj, R. S. Aditya

अमला त्रिकुणास्वामि अय्यर.

Amma Savinadhu

J. Prakashan

9/10/1919

कठ. १. नै. १. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०.

वृत्ति

पं. अ. ग. त. म. प. न. अ. ग. त. म. प. न.

नीलम संजीव रेडि

पि. वृत्ति

मे. ग. त. म. प. न. अ. ग. त. म. प. न.

क. १. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०.

क. १. २. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

ओ. वि. अ. ग. त. म. प. न.

अ. ग. त. म. प. न.

T. J. R. Wilson

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

१. १. १. १. १. १. १. १. १. १.

K. T. S. S. S. S.

B. V. S. S. S.

S. S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

S. S. S. S.

Indir Saengathay

Ngau tau

पु.म.मी. बगम

॥ ह्रीं ॐ ॥

डा. ल. र. राधागोपी

वर्माकर सिंह

ज. र. प. र. वि. क. पू. र.

सु. र. र. सु. र. र. र.

॥ ॐ ॥

शि. र. र. र. र. र. र.

S. Mohammed Ahmad
Khan

K. Aziz Roul (Ragun)

म. र. र. र. र. र.

Jogendra Singh

र. र. र. र. र. र. र.

W. M. A. A. A.

र. र. र. र. र. र.

म. र. र. र. र. र.

Mohamed Sakkar

हीरावल्लभ-निषादी

Ram Chandra
Sinha

फूल सिंह

हरि गोविन्द पन्त
अ. र. र. र.

गो. र. र. र. र. र.

चै. र. र. र. र. र.

A. Dhanand

अ. र. र. र. र. र.

व. र. र. र. र. र.

म. र. र. र. र. र.

म. र. र. र. र. र.

म. र. र. र. र. र.

म. र. र. र. र. र.

म. र. र. र. र. र.

~~Handwritten signature~~

वैद्यराज के कर्मचारी
होकर दोस भागिनि

पेशावन्त राय

गंगाधर सिंह

लोनी के निवासी

अपि न बान

निजाम राय के लिये
नन्द लाल के लिये

समस्त नारायण सिंह

पुनः पुनः

अपि न बान

भीकृष्ण राय

अपि न बान

नन्द लाल के लिये

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

कृष्ण पद्मनाभ राय

राय नारायण सिंह

~~Handwritten signature~~

अपि न बान

(Signature)

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

अपि न बान

विनायक-
 मर-

V. T. Krishnamachari

गोविन्द मे नोन्

द्विजं मृगुका

कैलास-धनी

कृतं वि-विधा.

दासुदेदीनाम

नविन्दस

विजयान विभागी.

प्राप्तमाप्तं वि-विधा.

हृद विष्णु कामत

सिंह-सन्तति-वि-विधा.

रघुवर

पुनः वि-विधा.

Kari Sankarimatti

मन्त्र-वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

हेमचन्द्रराज गौरी बाली २००६

वर्ष-वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

गो-वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

प्रीति-वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

A. V. Thakur

वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

वि-विधा-वि-विधा-वि-विधा

ജനനം 1948

Jaswant Singh

Sardar Singh of Khosla
सरदारसिंह खोसला

Jaswant Singh

Dr. Singh

वज्रवतासिंह सरला

M. K. Singh

सिंहजी रामदास

सिंहजी

अमरेश प्रताप सिंह

वि. सी. सबवे

सुदेकर गुरु (Yashwantrao
Gurur)

श्रीगुरुजी

(गुरुजी)

मंगुलाल सिंह

वि. शोरी महान विपरी

रामदास रामदास

बनारस गुरुजी

गोपीकृष्ण विजयगोपी

(Sundar Singhji)

रामदास महान विजयगोपी

गुरुजी

गुरुजी

गुरुजी

काका भावराज

A. K. Singh

P. S. H. Singhji

Dr. Singh

सिंहजी

७ अ. २३. १७७५.

७७७७. ७७७७.

Thakur Lal Singh

प्रधानमंत्री परमार

भारत सरकार

Prin. Sankar Jha

जीवनन ज. सिंह

मिथिला ज. सिंह

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७.

७७७७.

७७७७. ७७७७.

सचिवन द सिंह

वि. एन. राओ

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

७७७७. ७७७७.

भारत
का
संविधान

